Nai Dunia (Indore), 01st April 2022, Page – 05

आइआइटी इंदौर में बन रहा पावर सेक्टर का साफ्टवेयर

इंदौर (नईदुनिया प्रतिनिधि)। मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (ट्रांसको) के स्टेट लोड डिस्पैच सेंटर जबलपुर के डाटा से पावर सेक्टर के लिए एक बेहद उपयोगी साफ्टवेयर तैयार किया जा रहा है। इसे आइआइटी इंदौर की इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग की प्रोफेसर डा. तृप्ति जैन तैयार कर रही हैं। एनआइटी अगरतला के एसोसिएट प्रोफेसर डा. अरविंद कुमार जैन भी उनके साथ हैं।

इस सिलसिले में डा. जैन ने गत दिवस स्टेट लोड डिस्पैच सेंटर जबलपुर का दौरा कर वहां संधारित करने वाले विभिन्न प्रकार के डाटा एवं कार्यप्रणाली की जानकारी प्राप्त की। इस दौरे के समय मुख्य अभियंता (मानव संसाधन व प्रशासन) संदीप गायकवाड़ भी साथ थे।

तैयारी

- ट्रांसको के स्टेट लोड डिस्पैच सेंटर के डाटा की ली जा रही सहायता
- एनआइटी अगरतला के एसोसिएट प्रोफेसर डा. जैन होंगे सहयोगी

2.62 प्रतिशत पारेषण हानि सुन हुआ अचंभा

संदीप गायकवाड़ ने उन्हें बताया कि मध्यप्रदेश में ट्रांसको की पारेषण हानि 2.62 प्रतिशत है जो एमपीईआरसी की गाइडलाइन की अधिकतम पारेषण हानि सीमा से भी बहुत कम है, तो यह सुनकर दोनों विशेषज्ञ चकित रह गए। हम अभी भी विद्यार्थियों को 10 प्रतिशत पारेषण हानि ही पढ़ाते हैं।